OPTIMUM
INTERNATIONAL SCHOOL

CLASS – VIII

Hindi

Date:-15/04/2020

उपलब्ध पाठ्य सामग्री के आधार पर नीचे दिए गए गृहकार्य पूरा करें।

1. "पहरुए, सावधान रहना" कविता को अक्षरशः शुद्ध उच्चारण के साथ पढें , नये और कठीन शब्दों का इस्तेमाल कर वाक्य बनाने का प्रयास करें।
2. संबंधित पाठ से शब्दार्थ याद करें और इसके उपरांत इसे अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

विषय-सूची

क्रम	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ
1.	पहरुए, सावधान रहना	कविता	गिरिजा कुमार माथुर	7
2.	साए	कहानी	हिमांशु जोशी	13
3.	मेरी साहसिक यात्रा	यात्रा-वृत्तांत	डैनियल डिफो	22
•	मूर्खों की सूची (केवल पढ़ने के लिए)	सीख		31
4.	मैं हूँ उनके साथ खड़ी	कविता	डॉ० हरिवंशराय बच्चन	33
5.	भिखारिन	कहानी	रवींद्रनाथ टैगोर	38
6.	अलबर्ट आइंस्टीन	जीवनी	संकलित	48
7.	फाँसी से पहले	पत्र		55
•	पहाड़ से ऊँचा आदमी (केवल पढ़ने के लिए)	व्यक्तित्व	सुभाषा गाताड़े	64
8.	साइकिल की सवारी	हास्य-कथा	सुदर्शन	66
9.	कर्मवीर	कविता	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	78
10.	सिकंदर और पुरु	एकांकी	संकलित	84
11.	मेरा विद्यार्थी जीवन	संस्मरण	महात्मा गांधी	92
•	मेक इन इंडियन (केवल पढ़ने के लिए)	जानकारी	विभागीय	100
12.	भविष्य का भय	कहानी	आशापूर्णा देवी	101
13.	संस्कृति क्या है?	निबंध	रामधारी सिंह 'दिनकर'	111
•	बूढ़े बच्चे (केवल पढ़ने के लिए)	कविता	अशोक चक्रधर	117
14.	नीलू	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा	119
•	राष्ट्रध्वज (केवल पढ़ने के लिए)	कविता	संकलित	128
•	अभ्यास प्रश्न-पत्र–1			129
•	अभ्यास प्रश्न-पत्र–2			131

1 पहरूए, सावधान रहना

इस कविता के माध्यम से कवि गिरिजा कुमार माथुर ने स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद भी नागरिकों से सजग और जागरूक रहने का आह्वान किया है। कवि देश की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा देश की रक्षा के लिए देशवासियों से सावधान रहने के लिए कहते हैं। कवि के अनुसार स्वतंत्रता मिलने से ही हमारी ज़िम्मेदारी समाप्त नहीं होती, बल्कि और बढ़ जाती है। अतः देश के रक्षकों को इसके नव-निर्माण तथा सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए।

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना।

प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंज़िल का छोर
इस जन-मंथन से उठ आई
पहली रत्न हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन-मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना
पहरुए, सावधान रहना।

विषम शृंखलाएँ टूटी हैं
खुली समस्त दिशाएँ
आज प्रभंजन बनकर चलतीं
युग बंदिनी हवाएँ
प्रश्न चिह्न बन खड़ी हो गई

Scanned with CamScanner

यह सिमटी सीमाएँ
आज पुराने सिंहासन की
टूट रही प्रतिमाएँ
उठता है तूफ़ान, इंदु तुम
दीप्तिमान रहना
पहरुए, सावधान रहना।

ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमज़ोर हमारा घर है
किंतु आ रही नई ज़िंदगी
यह विश्वास अमर है
जन गंगा में ज्वार
लहर तुम प्रवहमान रहना
पहरुए, सावधान रहना।

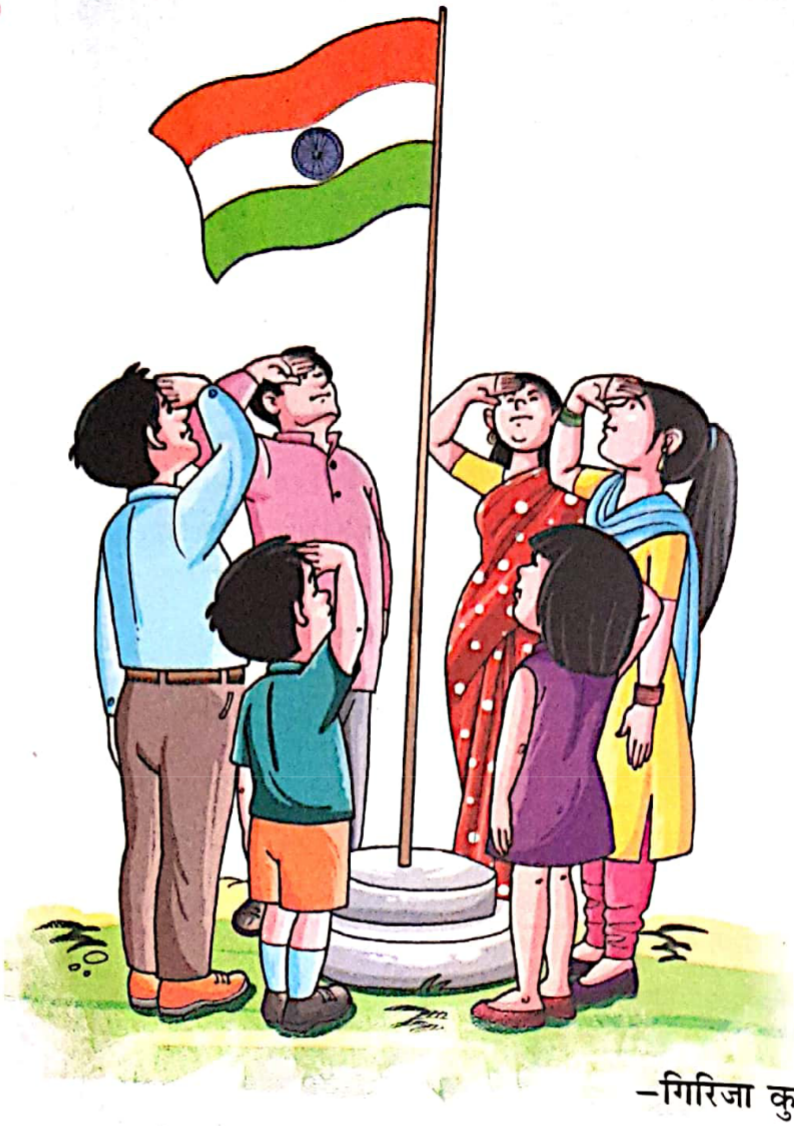

–गिरिजा कुमार माथुर

शब्दार्थ

पहरुए – पहरेदार (*Guard*)
छोर – किनारा (*Side*)
शेष – बाकी (*Remaining*)
कोर – कोना (*Corner, border*)
इंदु – चंद्रमा (*Moon*)
ज्वार – समुद्र की लहरों का वेगपूर्ण बहाव (*Bore*)
अचल – स्थिर (*Constant*)
मंथन – मथना (*Churning*)
मुक्ता – मोती (*Pearl*)
अंबुधि – समुद्र (*Sea, ocean*)
शोषण – किसी के श्रम से अनुचित लाभ उठाना (*Exploitation*)
चरण – कदम (*The foot*)
हिलोर – जल-तरंग (*Wave*)
विगत – बीता हुआ (*Gone away, previous*)
प्रभंजन – ज़ोर की हवा (*A strong wind*)
प्रवहमान – गतिमान (*Moving*)

अध्यापन-संकेत – इस कविता का मधुर स्वर में वाचन करें और छात्रों से भी कराएँ। तदुपरांत छात्रों को बताएँ कि भारत को सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद बहुत कठिनाई से स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। अत: स्वतंत्रता को बनाए रखना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी बनती है।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

मौखिक

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए।

पहरुए, अचल, दीपक, चरण, मंज़िल, साँवली, अंबुधि, दीप्तिमान

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) कवि किस जीत की बात कर रहा है?

(ख) जन-मंथन से क्या हासिल हुआ है?

(ग) 'ऊँची हुई मशाल हमारी आगे कठिन डगर है' कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(घ) इस कविता में 'पहरुए, सावधान रहना' पंक्ति को बार-बार क्यों दोहराया गया है?

लिखित

Writing Skills

1. सही उत्तर चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) 'आज जीत की रात' से कवि का क्या तात्पर्य है?

पहरुए को सावधान कर रहा है ☐ देश के खुले द्वार पर खड़े रहना ☐

दीपक के समान अचल रहना ☐ दोनों अवस्थाओं की बात कर रहा है ☐

(ख) कवि ने किसके समान अचल रहने को कहा है?

पर्वत ☐ दीपक ☐ सिंहासन ☐ वृक्ष ☐

(ग) कवि किसके समान महान बनने को कहता है?

समुद्र ☐ हिमालय ☐ पर्वत ☐ आकाश ☐

(घ) देश में किसका प्रश्न-चिह्न खड़ा हो गया है?

सीमाओं का ☐ पुराने सिंहासन का ☐ स्वतंत्रता का ☐ परतंत्र होने का ☐

(ङ) देश में किसका शोषण हो रहा है?

विश्वास का ☐ समाज का ☐ मनुष्य का ☐ शत्रु का ☐

2. अति लघूत्तरीय प्रश्न

(क) कवि किसे दीप्तिमान रहने को कह रहा है?

(ख) जन गंगा से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ग) कवि किसे अचल दीपक के समान रहने के लिए कहता हैं?

3. लघूत्तरीय प्रश्न

(क) कवि सावधान रहने को क्यों कह रहा है?

Scanned with CamScanner

अभ्यास

मौखिक

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए।

पहरुए, अचल, दीपक, चरण, मंज़िल, साँवली, अंबुधि, दीप्तिमान

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) कवि किस जीत की बात कर रहा है?

(ख) जन-मंथन से क्या हासिल हुआ है?

(ग) 'ऊँची हुई मशाल हमारी आगे कठिन डगर है' कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(घ) इस कविता में 'पहरुए, सावधान रहना' पंक्ति को बार-बार क्यों दोहराया गया है?

लिखित

Writing Skills

1. सही उत्तर चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) 'आज जीत की रात' से कवि का क्या तात्पर्य है?

पहरुए को सावधान कर रहा है ☐ देश के खुले द्वार पर खड़े रहना ☐

दीपक के समान अचल रहना ☐ दोनों अवस्थाओं की बात कर रहा है ☐

(ख) कवि ने किसके समान अचल रहने को कहा है?

पर्वत ☐ दीपक ☐ सिंहासन ☐ वृक्ष ☐

(ग) कवि किसके समान महान बनने को कहता है?

समुद्र ☐ हिमालय ☐ पर्वत ☐ आकाश ☐

(घ) देश में किसका प्रश्न-चिह्न खड़ा हो गया है?

सीमाओं का ☐ पुराने सिंहासन का ☐ स्वतंत्रता का ☐ परतंत्र होने का ☐

(ङ) देश में किसका शोषण हो रहा है?

विश्वास का ☐ समाज का ☐ मनुष्य का ☐ शत्रु का ☐

2. अति लघूत्तरीय प्रश्न

(क) कवि किसे दीप्तिमान रहने को कह रहा है?

(ख) जन गंगा से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ग) कवि किसे अचल दीपक के समान रहने के लिए कहता हैं?

3. लघूत्तरीय प्रश्न

(क) कवि सावधान रहने को क्यों कह रहा है?

Scanned with CamScanner

(ख) समस्त दिशाएँ खुलने से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ग) हवाएँ, सीमाएँ व प्रतिमाएँ इन शब्दों द्वारा कवि ने क्या कहा है?

(घ) कवि को किस बात का भय है?

(ङ) इस कविता का मुख्य स्वर क्या है?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(क) आज समाज की स्थिति मृतक के समान क्यों है?

(ख) प्रस्तुत कविता में कवि हमें क्या करने के लिए प्रेरित कर रहा है?

(ग) विषम शृंखलाओं से कवि का क्या अभिप्राय है?

5. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंज़िल का छोर
इस जन-मंथन से उठ आई
पहली रत्न हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन-मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना
पहरुए, सावधान रहना।

(i) समाज किस कारण मृत है?

(ii) यहाँ 'घर' किसका पर्याय है?

(iii) यहाँ 'कमज़ोर' से क्या तात्पर्य है?

(ख) ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है।

(i) हमारी मशाल कैसे ऊँची हुई?

(ii) कवि के अनुसार कठिन डगर क्या है?

(iii) यहाँ 'शत्रु की छाया' का क्या अभिप्राय है?

6. भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रथम चरण है नए स्वर्ग का .....

है मंज़िल का छोर .....

इस जन-मंथन से उठ आई .....

पहली रत्न हिलोर .....

अभी शेष है पूरी होना .....

जीवन-मुक्ता डोर .....

क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की .....

विगत साँवली कोर .....

Scanned with CamScanner

भाषा–ज्ञान

समस्त पदों का विग्रह यानी तोड़ना समास-विग्रह कहलाता है; जैसे–

समस्तपद	समास-विग्रह
सुध-बुध	सुध और बुध
ज्ञान-शक्ति	ज्ञान की शक्ति / ज्ञान और शक्ति

समस्त पदों के विग्रह के आधार पर समास का भेद सुनिश्चित होता है; जैसे–ज्ञान-शक्ति; ज्ञान की शक्ति। इसका विग्रह करने पर यहाँ तत्पुरुष समास होगा। दो पदों के मेल से बनाए गए पद को समास कहते हैं।

समास के भेद

अव्ययीभाव
अव्यय शब्दों की आवृत्ति, पुनरुक्ति तथा निरर्थक प्रयोग।
उदाहरण–यथाशक्ति, रातोंरात, धीरे-धीरे, चाय-वाय आदि।

कर्मधारय
विशेषण-विशेष्य या उपमान उपमेय होता है।
उदाहरण–नीलांबर, महात्मा, विद्याधन, क्रोधाग्नि, मृगनयन

द्वंद्व
दोनों पद प्रधान, प्रायः संयोजक चिह्न (-) लगा रहता है।
उदाहरण–आचार-विचार, तन-मन, हार-जीत, देश-विदेश।

तत्पुरुष
विग्रह करने पर परसर्ग का प्रयोग।
उदाहरण–धनहीन, अमृतधारा, राहखर्च, आत्मविश्वास

द्विगु
पूर्वपद संख्यावाची विशेषण उत्तरपद विशेष्य,
उदाहरण–त्रिवेणी, चतुर्भुज, नवग्रह, त्रिलोक।

बहुव्रीहि
दोनों पद गौण, तीसरे पद का अहसास, नए अर्थ का आभास।
उदाहरण–दशानन, लंबोदर, चक्रधर, सुलोचना।

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) घर-घर में समास है–
कर्मधारय ☐ बहुव्रीहि ☐ तत्पुरुष ☐ अव्ययीभाव ☐

(ख) 'लौहपुरुष' में समास है–
कर्मधारय ☐ बहुव्रीहि ☐ तत्पुरुष ☐ अव्ययीभाव ☐

(ग) 'शरणागत' में समास है–
बहुव्रीहि ☐ द्विगु ☐ द्वंद्व ☐ तत्पुरुष ☐

Scanned with CamScanner

2. नीचे दिए गए शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) सावधान – ....

(ख) अचल – ....

(ग) मंथन – ....

(घ) रत्न – ....

(ङ) मशाल – ....

(च) शोषण – ....

दिए गए अनेकार्थक शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए।

**Link of Optimum Online E-Learning Platform:- www.optimumschool.net/online
In case of any query call at +91-9818033213

(क) प्रथम – .... (ख) चरण – ....

(ग) स्वर्ग – .... (घ) जन – ....

(ङ) युग – .... (च) शेष – ....

हँसते–खेलते

विषय संवर्धन गतिविधियाँ
(Subject Enrichment Activities)

1. स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद देश की सुरक्षा के प्रति सावधान रहने की क्यों आवश्यकता है? देश की सुरक्षा से संबंधित कुछ प्रमुख समस्याओं को लिखिए।
2. देश का द्वार क्या आज भी खुला है? सोचकर लिखिए।
3. भारतीय एकता में कौन-से तत्व बाधक हैं? समूह में चर्चा कीजिए।
4. गिरिजा कुमार माथुर की अन्य रचनाएँ पढ़िए।

घेरा समय

1. ब्रिटिश साम्राज्य के विनाश के क्या कारण रहे होंगे? घेरा समय में इन पर चर्चा कीजिए।
2. कवि ने 'पहरुए' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है? घेरा समय में इस पर विचार-विमर्श कीजिए।

पाठ से आगे

1. पृथ्वी पर कितने महासागर हैं? उनके नाम लिखिए।
2. भारतीय भूमि पर यूरोप के किन-किन देशों ने अपना कब्जा जमाया?
3. भारत की सीमाएँ किन-किन देशों से मिलती हैं? दिशावार बताइए।

Scanned with CamScanner